International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 04, No. 03(II), July - September, 2022, pp. 157-160

मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारक (दौसा जिले के संदर्भ में)

शिवशंकर मीना*

सार

मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारकों में मानव समूह व इससे सम्बन्धित जनसंख्या की विभिन्न विशेषताओं आदि को शामिल किया जाता है। जिनको मानव संसाधन विकास के सूचकांक भी कहते है। इनका प्रभाव वितरण एवं विशेषताओं की प्रकृति द्वारा किसी प्रशासनिक इकाई (तहसील, ग्राम, जिला, उपखण्ड, गिरदावर सर्किल) के आधार पर प्रभावित कारकों की उपलब्धता, वितरण की विषमता के आधार पर मानव संसाधन को प्रभावित किया जाता है। जिसके मानव संसाधन विकास स्तर आदि को श्रेणीबद्ध किया जाता है। अतः दौसा जिले में इन्हीं कारकों का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

शब्दकोशः *मानव संसाधन, जनांकिकीय, प्रभावित, तहसील क्षेत्र, प्रभावित क्षेत्र।*

प्रस्तावना

अध्ययन क्षेत्र

शोध क्षेत्र दौसा जिले की भौगोलिक स्थिति 26^0 23′ उत्तर से 27^0 14′ उत्तर तक तथा देशांतरीय $76^0$08′ पूर्वी से $77^0$03′ पूर्वी के मध्य है। 2011 के अनुसार 8 तहसीलों से युक्त इस जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 21, 23, 148 व बाणगंगा नदी, मोरेल नदी की उपस्थिति उल्लेखनीय है। यह मानचित्र–1 में दर्शाया गया है।

मानचित्र संख्या 1

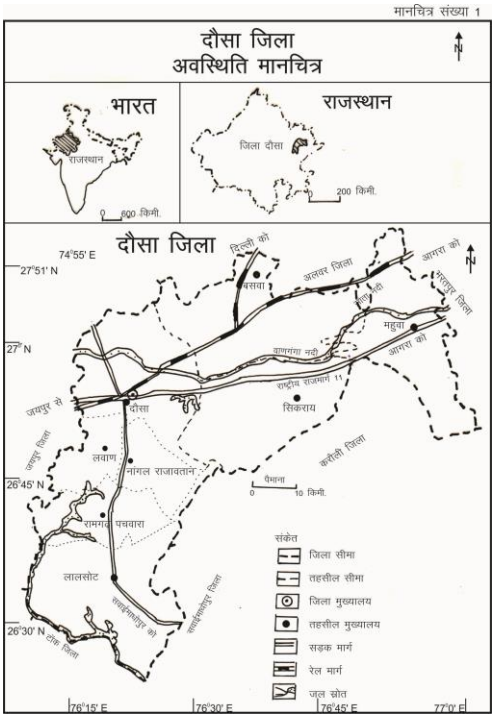

* सहायक आचार्य (भूगोल), स्व. पं. नवल किशोर शर्मा राजकीय पी.जी. महाविद्यालय, दौसा, राजस्थान।

अध्ययन उद्देश्यः प्रस्तुत शोध कार्य के निम्न उद्देश्य लिये गये है :–

- मानव संसाधन का अभिज्ञान।
- मानव संसाधन के जनांकिकीय कारकों का अध्ययन करना।
- जनांकिकीय कारकों का तहसीलवार वितरण का पता करना।

परिकल्पनायेंः प्रस्तुत अध्ययन की निम्न परिकल्पनाएं रही है–

- मानव संसाधन जनांकिकीय विशेषताओं से प्रभावित होता है।
- क्षेत्र विशेष (तहसील अनुसार) में जनांकिकीय पहलू एक समान नहीं हो सकते है।

आंकड़ों के स्रोत

प्रस्तुत शोध अध्ययन में द्वितीयक उपयोगी आंकड़ों का उपयोग किया गया है। यह ऑकड़े सरकारी संस्थाओं से प्राप्त किये है जो इस प्रकार हैः–

- जनगणना विभाग कार्य निदेशालय राजस्थान, जयपुर।
- दौसा जिला स्तरीय प्रतिवेदन एवं प्रकाशन आदि।
- आर्थिक एवं सांख्यिकीय निदेशालय राजस्थान, जयपुर।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध कार्य की शोध विधि में विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी प्रतिवेदनों के आंकड़ों को शामिल कर, क्रमबद्ध व्याख्या की गई है। जिसमें तालिका व आरेख इत्यादि को शामिल करने का प्रयास किया गया है। निम्न सूत्र द्वारा जनांकिकीय प्रभाव ज्ञात किया हैः–

(i) $\sigma = \sqrt{\frac{\sum d^2}{N} - \left(\frac{\sum dx}{N}\right)^2}$ (ii) मानंकित मूल्य $\frac{x - \bar{x}}{\sigma}$

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जनांकिकीय प्रभाव को ज्ञात करने के लिए उपरोक्त सूत्रों का प्रयोग किया है।

मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले कारक

मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले कारकों में मुख्यः (1) प्राकृतिक कारक (2) मानवीय (जनांकिकीय कारक) है। दौसा जिले में इनका अध्ययन निम्न प्रकार से किया गया हैः–

- **प्राकृतिक कारकः** मानव संसाधन विकास प्रत्यक्ष रूप में प्राकृतिक कारकों से सर्वाधिक प्रभावित रहा है। जिसमें प्राकृतिक कारों जैसे– धरातलीय, प्राकृतिक वन सम्पदा, वर्षा, मृदा की प्रकृति, प्राकृतिक जल स्रोत इत्यादि के वितरण एवं उपलबधता की विशेषताओं का प्रभाव मानव संसाधन पर पड़ा है। वहीं दूसरी और
- मानवीय कारकों के अन्तर्गत जनांकिकीय कारकों में जनसंख्या घनत्व, शिक्षा (साक्षरता) कार्यशील जनसंख्या, लिंगानुपात एवं व्यावसायिक संरचना आदि की क्षेत्रीय वितरण प्रवृति ने भी मानव संसाधन को सर्वाधिक प्रभावित किया है। जिससे दौसा जिले का मानव संसाधन प्रभावित हुआ है। अर्थात् जनांकिकीय विशेषताओं की प्रकृति/वितरण आदि ने क्षेत्रीय (तहसीलवार) विषमता को प्रकट किया है। यह एक भौगोलिक क्षेत्र की प्रमुख प्रकृति होती है, जो दौसा जिले के संदर्भ में पायी गयी है। अतः यहां केवल दौसा जिले में मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारणों का अध्ययन शामिल किया गया है जिसका अध्ययन निम्न प्रकार हैः–
  - **दौसा जिले में मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारणः** दौसा जिला मानव संसाधन की दृष्टि से राजस्थान का प्रमुख जिला है। यहां मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारकों की उपलब्धता वितरण आदि भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में पाये जाते है। जिनका अध्ययन निम्न प्रकार हैः–

- **जनसंख्या घनत्वः** मानव संसाधन को प्रभावित करने में जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक प्रभावी कारक है। इससे जनसंख्या के विभिन्न प्रभावी कारक भी समाहित रहते है। यही नहीं अन्य जनांकिकीय कारक भी इसी पर निर्भर रहते है। प्राप्त आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि इस कारक के अनुसार महवा तहसील में इसका प्रभाव सर्वाधिक रहा है। क्योंकि यहां जनसंख्या घनत्व 543 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। जबकि सबसे कम प्रभाव लालसोट तहसील में रहा है। जहां का जनांकिकीय घनत्व 415 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है। (तालिका–1) जबकि अन्य तहसीलों में मध्यम जनांकिकीय प्रभाव प्राप्त होगा क्योंकि यहां जनसंख्या घनत्व मध्यम श्रेणी में शामिल है।

तालिका 1: तहसीलवार जनाकिकीय कारकों का प्रभावी स्तर–2011

तहसील	जनसंख्या घनत्व	लिंगानुपात	कार्यशील	कृषक	कुल साक्षरता	सकल मूल्य	सामूहिक सूचकांक
1. बसवा	537	903	39.95	64.88	66.54	+2.81	0.56
	1.24	-0.62	1.24	-0.34	1.29		
2. महवा	543	888	39.03	59.75	65.87	-6.89	-1.37
	1.46	-7.35	-0.08	-1.30	1.10		
3.सिकराय	517	906	39.42	74.17	61.25	+2.32	0.46
	0.50	0.71	-0.06	1.37	-0.20		
4. दौसा	504	910	39.28	63.21	61.34	+1.46	0.29
	0.02	2.51	-0.24	-0.65	-0.18		
5. लालसोट	415	915	39.27	71.82	54.93	+0.18	0.03
	-3.24	4.75	-0.26	0.93	-2.0		
$\bar{x}$	523.20	904.40	39.39	66.76	61.98	-	-
$\sigma =$	27.18	2.23	0.30	5.39	3.52	-	-

शोधार्थी द्वारा प्राप्त आंकड़ों से आंकलित।

- **लिंगानुपातः** जिले में मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारकों में लिंगानुपात है क्योंकि इससे सामाजिक संरचना तथा भावी जनांकिकीय संरचना प्रभावित होती है। दौसा जिले में लिंगानुपात में सर्वाधिक लालसोट तहसील में 915 स्त्रियां प्रति एक हजार पुरूष है। जो मानव संसाधन को प्रभावित करने में सर्वाधिक प्रभावी रही है। जबकि सबसे कम लिंगानुपात महवा तहसील में 888 स्त्रियां प्रति एक हजार पुरूष है। अतः इस तहसील में मानव संसाधन का प्रीााव सर्वाधिक ऋणात्मक है जो अन्य जनांकिकीय कारकों को भी प्रभावित करता है।
- **कार्यशीलः** जनांकिकीय कारकों में कार्यशील संरचना आर्थिक, सामाजिक स्वरूप को प्रभावित करता है। इसमें किसी क्षेत्र की कार्यशील जनसंख्या शामिल रहती है। दौसा जिले में कार्यशील संरचना की सर्वाधिक जनसंख्या महवा तहसील में 39.95 प्रतिशत है। जिसने यहां के मानव संसाधन दौसा तहसील का सामूहिक सूचकांक 0.29 रहा है। (तालिका–1)
- **कृषकः** शोध क्षेत्र दौसा जिले में मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारकों में प्रमुख है, क्योंकि यहां कार्यशील जनसंख्या का अधिकांश अंश कृषक है तथा कृषि द्वारा मानव जीवन का निर्वहन होता है। यहां कृषि आर्थिक दृष्टि से सर्वोपरी संसाधन है। इसके अन्तर्गत सिकराय तहसील सर्वाधिक प्रभावी रही है। जबकि महवा तहसील ऋणात्मकता की दृष्टि से अधिक प्रभावी रही है। (तालिका–1)
- **कुल साक्षरताः** साक्षरता जनांकिकीय अध्ययनों एवं मानव संसाधन में प्रमुखता रखती है। साक्षरता से मानव संसाधन व जनांकिकीय संरचना इत्यादि प्रभावी रहती है। जिले में साक्षरता का प्रभाव क्षेत्र सर्वाधिक बसवा तहसील में रहा है। जबकि सर्वाधिक ऋणात्मक प्रभाव लालसोट तहसील में रहा है। (तालिका–1)

मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारकों का प्रभावी स्तर

अध्ययन क्षेत्र में मानव संसाधन को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारकों में जनसंख्या घनत्व, लिंगानुपात, कार्यशील जनसंख्य कृषक, साक्षरता आदि को शामिल किया है। जिससे प्राप्त परिणामों को निम्न प्रकार समझाया गया हैः–

- **साधरण प्रभाव स्तर–** इसमें तहसील बसवा व सिकराय तहसील जिसमें बसवा तहसील में +0.56 सामूहिक सूचकांक प्राप्त हुआ है। जबकि तहसील सिकराय में +0.46 सामूहिक सूचकांक प्राप्त हुआ है। यह तालिका –2 में प्रदर्शित है।
- **मध्यम प्रभाव स्तर–** इसके अन्तर्गत लालसोट तहसील दौसा तहसील शामिल हुई है। जिसका समूहिक सूचकांक +0ण्03 प्राप्त हुआ है।
- **निम्न प्रभाव स्तर–** इसके अन्तर्गत दौसा जिले की महवा तहसील शामिल हुई है। जिसका सामूहिक सूचकांक –1.37 प्राप्त हुआ है। यह ऋणात्मकता की प्रतीक रही है। अर्थात यहां मानव संसाधन को अत्यधिक प्रभावी किया है।

तालिका 2: दौसा जिला मानव संसाधन प्रभाव स्तर 2011

क्र.सं.	मानव संसाधन प्रभाव स्तर	सामूहिक सूचकांक	शामिल तहसील
1.	साधारण	+0.45 से अधिक	दो– बसवा, सिकराय
2.	मध्यम	+0.01 से +0.45 तक	दो– दौसा, लालसोट
3.	निम्न	-0.01 से अधिक या ऋणात्मक सूचकांक	एक– महवा

जिसमें जनांकिकीय कारकों का योगदान रहा है, यहां जनांकिकीय कारक ऋणात्मक प्रवृति के रूप में कार्य करते है। जबकि अन्य तहसीलों में यह धनात्मक प्रवृति रखते है।

निष्कर्ष

मानव संसाधन को प्रभावित करने में जनांकिकीय कारकों की भूमिका सर्वाधिक रहती है। क्योंकि मानव संसाधन में पूर्णतः जनांकिकीय कारक समाहित रहते है। जो मानव संसाधन के प्रभावों को नियन्त्रित करते हैं। जिले में इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से प्राप्त हुआ है। जिसमें धनात्मक प्रवृति में बसवा तहसील व सिकराय तहसील शामिल रही है। वहीं ऋणात्मक प्रवृति में महवा तहसील शामिल रही है। यहां जनांकिकीय कारक ऋणात्मक स्थिति में शामिल रहे है। अतः स्पष्ट है कि जनांकिकीय कारण मानव संसाधन को प्रभावित करते है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Anderson, J.R., (1976) : Landuse Landcover Changes- A Framework for Monitoring, Journal of Research, U.S., Geological Survey, Volume 5, No. 3, 143-153
2. Lillesand, T.M. & Keifer, R.W., (1979) : Remote Sensing and Image Interpretation, New York: John Wiley & Sons, Inc, 1-10
3. शर्मा, एच.एस., शर्मा एम.एल. (2006) : राजस्थान का भूगोल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
4. रावत श्रीमन् (2011) : राजस्थान में जनांककीय अध्ययन, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, भूगोल विभाग, राज. विश्वविद्यालय, जयपुर।
5. अन्नु (2010) : झुंझुनू जिले में समन्वित क्षेत्रीय ग्रामीण विकास कार्यक्रम एवं नियोजन अप्रकाशित शोध प्रबन्ध भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
6. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा (2018) आर्थिक सांख्यिकी निदेशालय, जयपुर राजस्थान।

❖◆❖